

जनसंख्या विस्तार और विकास  
POPULATION EXPLOSION AND  
HEALTH

एक विशिष्ट स्थान पर रहने वाले जीव अथवा 11-167,  
 जनसंख्या मुख्यतः पृथ्वी-आधारित है। जनसंख्या और  
 रूप (है) अथवा अथवा अथवा "एक विशेष  
 परिवारों को एक ही माता-पिता से उत्पन्न होने वाले  
 अथवा एक ही माता-पिता से उत्पन्न होने वाले अथवा  
 अथवा एक ही माता-पिता से उत्पन्न होने वाले अथवा  
 अथवा एक ही माता-पिता से उत्पन्न होने वाले अथवा

जनसंख्यावर्धन से विस्तार के कारण :-

- (i) आसक्ति :- आसक्ति से जनसंख्या में वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या का मानना  
 है कि आसक्ति, आसक्ति आसक्ति / जनसंख्या  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि
- (ii) शिक्षा की कमी :- शिक्षा की कमी अथवा  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि
- (iii) आसक्ति वृद्धि :- आसक्ति वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि
- (iv) आसक्ति वृद्धि :- आसक्ति वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि
- (v) आसक्ति वृद्धि :- आसक्ति वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि  
 जनसंख्या वृद्धि का कारण है। जनसंख्या वृद्धि

3. कल्प - "शीरवना" व्यक्तिक की प्रतिक्रिया कानि के टंग में परिवर्तन कानिवाकी प्रक्रिया और कहत है। जो वातावरण के किविप पहचान के संपक में आने के फलस्वरूप होनी है।

4. आर्टन, वार्थ, ड्रेज - यूपमन! "शीरवने को परिभाषा व्यवहार के अनुभव का प्रमास के फलस्वरूप अपेक्षाकृत स्वाधीन प्रतिक्रिय है।" में ही जो संभव है।

5. गुडगर्थ रंग माकविश, "नए ज्ञान रंग रंग प्रतिक्रियाका और काजित कानि को प्रतिक्रियाकी शीरवने को प्रक्रिया है।"

6. मफी! "शीरवना व्यवहार के परिणाम-रूप व्यवहार और प्रत्यक्षिकण में कोई भी परिवर्तन है।"

7. गिकफोर्ड! "हम इस बात को परिभाषा विद्वान रूप में यह कहका का समत है कि 'शीरवना' व्यवहार के परिणाम - रूप व्यवहार में कोई भी परिवर्तन है।"

8. गोरर! "शीरवना एक क्रिया है जिसके द्वारा हम अपनी अनभिशास्य को नई बातों में संगाठित करते हैं।" काग हम परिभाषा पर ध्यान देते हैं।

शीरवने का "विकास का एक प्रक्रिया" माना गया है।

Next day

Hrishvi Keshu  
Dept - Psychology  
B.A.C. Bahadur

24-1-19  
PAPER - I

Handwritten text  
Handwritten text

Handwritten musical notation on a page with a large shadow cast across it. The notation consists of multiple staves with notes and clefs, though the details are obscured by the shadow and the image quality.

The first part of the paper is devoted to a discussion of the general theory of the problem. It is shown that the problem is equivalent to a problem in the theory of differential equations. The second part of the paper is devoted to a discussion of the special case of the problem. It is shown that the problem is equivalent to a problem in the theory of differential equations. The third part of the paper is devoted to a discussion of the special case of the problem. It is shown that the problem is equivalent to a problem in the theory of differential equations.

John Doe  
 Dept. Psychology  
 U.C.L. Melb.